

बिलासपुर मंडल दर्पण

महामारी नियंत्रण विशेषांक



कोविड -19 के संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक महोदय का संदेश



बिलासपुर मंडल के मेरे प्रिय रेल सहकर्मियों,

संपूर्ण विश्व और हमारा देश इस समय कोविड -19 के संकट का सामना कर रहा है। आपके अथक परिश्रम से भारतीय रेल इसकी रोकथाम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रेस एवं मीडिया में आपके द्वारा किये गये कार्यों की प्रशंसा हो रही है। इस संकट के समय आपके समर्पित कार्यों की प्रशंसा स्वयं माननीय प्रधानमंत्री जी और रेलमंत्री जी ने भी की है। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं हमारे महाप्रबंधक महोदय ने भी आपकी कर्तव्यपरायणता की सराहना की है। मैं आप सबको इसके लिये हार्दिक बधाई और धन्यवाद देता हूँ।

आप सभी के सहयोग से हमारे मंडल में भी नोवल कोरोना वायरस कोविड -19 के संक्रमण के रोकथाम का अभियान जारी है। हमें स्वयं की, अपने घर और कॉलोनिओ की तथा अपने कार्यस्थल की भी स्वच्छता बनाए रखनी है। अब हमें और भी सजगता से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना है ताकि हम हमारे यात्रियों को लगातार स्वच्छ और संक्रमण- मुक्त ट्रेन एवं स्टेशन उपलब्ध करवा सकें। अपने प्रतिदिन के कर्तव्यों के दौरान हमें रेलयात्रियों का पूरा खयाल रखना है। उनमें अगर कोई संक्रमित हो तो उसे अविलंब यथोचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करानी है और प्रत्येक ऐसे रेलयात्री के साथ बेहद संवेदनशील रहते हुए आदर का व्यवहार करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर इस चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करेंगे।

आपसे मेरा निवेदन है कि यदि आप या आपके परिवार में कोई हाल ही में यात्रा से लौटा हो अथवा उसमें कोविड - 19 से मिलते - जुलते लक्षण हों तो तुरंत निकट के स्वास्थ्य केंद्र अथवा रेलवे चिकित्सालय से संपर्क करें एवं दिये गये निर्देशों का पालन करें। इस प्रकार आप स्वयं को, साथी रेलकर्मियों को एवं देश को उत्तरोत्तर संक्रमण से बचा सकते हैं।

मुझे विश्वास है कि आप समय-समय पर इस विषय पर रेल प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन सुनिश्चित करेंगे और पूरे साहस से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे। इस बारे में यदि आपकी कोई राय या समस्या हो तो आप मुझसे या अपर मंडल रेल प्रबंधकों से संपर्क कर सकते हैं।

मुझे विश्वास है की आपसी सहयोग से हम सब मिलकर कोविड - 19 के आसन्न खतरे से निपटने में अवश्य सफल होंगे।

सुरक्षित और समर्पित रेलसेवा की शुभकामनाओं सहित,

आलोक सहाय

मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर



आयसोलेशन कोच



आयसोलेशन कोच - भीतरी दृश्य



अस्पताल हेतु पलंग निर्माण



पैर परिचालित सेनिटाइजर मशीन

महामारी के संकटकाल में बिलासपुर मंडल की गतिविधियाँ

आज पूरा विश्व कोविड-19 नामक महामारी की त्रासदी से ग्रस्त है। हमारा देश भारत भी इससे अछूता नहीं है। संकट की इस घड़ी में भारतीय रेल ने भी कमर कस ली है और इसने अपनी कार्यशैली को वक्त की माँग के अनुसार ढाल लिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का बिलासपुर मंडल भी कोविड -19 के घातक वायरस कोरोना के दुष्प्रभावों के खिलाफ इस जंग में पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ा हुआ है। बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभाग इस महामारी के संकट के दौरान रेल संचालन, संक्रमण से रोकथाम और संक्रमितों की जान की रक्षा के लिए पूरी सक्षमता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं।

समय की माँग के अनुसार यांत्रिक, विद्युत (सा) और चिकित्सा विभाग के संयुक्त प्रयासों से सवारी गाड़ी के 56 डिब्बों को कोविड केयर सेंटर अर्थात् आयसोलेशन कोच के रूप में परिवर्तित किया गया है। प्रत्येक कोच में 8 संक्रमितों को आयसोलेट करने की क्षमता है। सुरक्षित ढंग से कोरोना संक्रमण के संदेही मरीजों के सैंपल लेने के लिए यांत्रिक विभाग द्वारा सैंपल कलेक्शन बूथ का निर्माण कर लिया गया है। इसी प्रकार पीपीई किट निर्माण के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने के लिए बिलासपुर मंडल के यांत्रिक विभाग द्वारा लगभग 6000 किट का निर्माण करवा लिया गया है।

कोरोना मरीजों के लिए अतिरिक्त पलंग की माँग को पूरा करने के लिए बीसीएन डिपो बिलासपुर में 50 पलंगों का निर्माण किया गया। इसी डिपो में ही पैर से संचालित होने वाली सेनिटाइजर मशीन का निर्माण भी किया गया, जिसे महाप्रबंधक कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नियंत्रण कार्यालय, स्टेशन और दुर्घटना राहत गाड़ी में स्थापित किया गया है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये चिकित्सा विभाग द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर रेल कार्यालयों और कॉलोनियों का सेनिटाइजेशन करवाया जा रहा है।

महामारी के इस दौर में बिलासपुर मंडल ने मानवता का परिचय देते हुए रेल कालोनियों और शहर के अन्य स्थानों पर रहने वाले बेसहारा लोगों को भोजन और खाद्यान्न के लगभग 30,000 पैकेट वितरित किए। इस नेक कार्य में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान रहा।

रेल का निर्बाध संचालन, अनुरक्षण और मरम्मत का कार्य बेखौफ़ और सुरक्षित माहौल में हो सके, इसके लिए बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों के रेल कर्मियों द्वारा करीब 36,000 मास्क बनाकर उन्हें कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच वितरित किया गया।

बिलासपुर रेल अस्पताल में इंजीनियरी और विद्युत (सामान्य) विभाग के सहयोग से कोविड-19 की आवश्यकताओं के अनुरूप 75 बेड का कोविड वार्ड बनाया गया है, जिसमें पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा समुचित दूरी का पालन करते हुए मरीजों की प्रभावी निगरानी करने के उद्देश्य से सिगनल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा 17सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

श्रमिक विशेष गाड़ियों से आए छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को रेल सुरक्षा बल, वाणिज्य और परिचालन विभाग के कर्मचारियों तथा सिविल डिफेंस के वालेंटियरों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर उनके गंतव्य की ओर रवाना किया गया। इसके अलावा कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के सभी कार्यालयों, स्टेशनों, रनिंग रूमों, क्लू लाबियों और मंडल में चलने वाली प्रत्येक लोको कैब एवं ब्रेक वैन को सेनिटाइज़ किया गया।

कर्मचारियों की प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने के लिए मंडल के रेल सुरक्षा बल कर्मचारियों को विटामिन 'सी' की गोलियों का वितरण किया गया।



एक से दूजे में न फैले,
खूब सजग हो जाओ।
जब भी घर से बाहर निकलो,
मुँह में मास्क लगाओ ॥

सुरक्षित नमूना संग्रहण बूथ



निर्मित पीपीई किट



Fabrication of PPEs

कॉलोनी का सेनिटाइजेशन



मास्क का निर्माण



पीपीई किट का निर्माण



Fabrication of PPE

कार्यालय का सेनिटाइजेशन



भोजन पैकेटों का वितरण



कोविड -19 वाई में सीसीटीवी



कोरोना के विरुद्ध : कुछ और झलकियाँ

यात्रियों को मास्क की सुनिश्चितता



मोर्चे पर तैनात कोरोना योद्धा



विटामिन 'सी' की गोलियों का वितरण



मुस्तैद सिविल डिफेंस स्वयंसेवक



सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए
स्काउट और गाइड



तत्परता से सेनेटाइज़र का क्रय



सुचारु व्यवस्था में संलग्न रेसुब कर्मचारी



न गले मिलो, न हाथ मिलाओ । नमस्ते करो और काम चलाओ ।

कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के निवारक उपाय

मुख्य संरक्षा अधिकारी/दपूम रेलवे के पत्र संख्या - सीएसओ/एसईसीआर/सेफ्टी/ई-4854, दिनांक - 01.07.2020 के संदर्भ में
प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का पत्र संख्या - पी-एच क्यू /कोविड - 19/7285, दिनांक - 03.07.2020

1	कर्मचारी सुनिश्चित करें कि उनका कार्यस्थल नियमित रूप से किटाणुनाशक द्रव्य से पोछा जाता है। वे फेस मास्क लगाएं और हमेशा परस्पर शारीरिक दूरी बनाए रखें।
02	आइसोलेशन और क्वारंटाइन, कंटेनमेंट जोन और क्लस्टर में रहने वाले कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित न हों।
03	कार्यालय प्रमुख कर्मचारियों कि परस्पर शारीरिक दूरी को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न वर्गों/समूहों के कार्यालय आगमन/प्रस्थान समय में आवश्यक संशोधन कर सकते हैं।
04	विभाग प्रभारी/पर्यवेक्षक प्रतिदिन यह जाँच करें कि उनके कर्मचारियों में कोविड-19 के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं। अवकाश स्वीकृत करने वाले अधिकारी अपने कर्मचारियों तथा उनके परिजनों के स्वास्थ्य-स्थिति के बारे में नियमित रूप से पूछताछ करते रहें। अवकाश के बाद इयूटी पर लौटने वाले कर्मचारियों से उसके और उसके परिजनों के स्वास्थ्य संबंधी घोषणापत्र लेना चाहिए।
05	ऐसी पूछताछ के दौरान यदि कर्मचारी यह सूचित करता है कि उसके या उसके परिवार के किसी भी सदस्य को कोविड-19 के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो उसे तत्काल कार्यालय आने से रोक देना चाहिए और इसकी सूचना उपमहाप्रबंधक(सा) प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक को देनी चाहिए।
06	थर्मल स्कैनिंग डिवाइस, संपूर्ण कार्यस्थल, सामान्य सुविधा स्थल और मानव संपर्क में आने वाले सभी स्थानों- जैसे दरवाजे के हैंडल आदि का लगातार सेनेटाइजेशन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
07	सभी कार्यालयों में सैनिटाइजर उपलब्ध कराया जाना और उसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

08	यदि किसी कर्मचारी को यात्रा प्रतिबंधों कि अवधि के दौरान राज्य/कंटेनमेंट जोन से बाहर जाना पड़े तो वह उचित अधिकारियों को तुरंत सूचित करेगा।
09	प्रत्येक कर्मचारी का यह कर्तव्य और दायित्व भी है कि इस बात कि जानकारी मिलने पर कि उसके साथ रहने वाले किसी सदस्य अथवा उसके पड़ोसी या सहयोगी ने राज्य से बाहर कि यात्रा की है अथवा वे अन्य राज्य/कंटेनमेंट जोन से आए/लौटे हैं तो वह स्वेच्छा से ऐसे विवरण के बारे में संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करेगा, भले ही उसमें/उनमें कोविड-19 के लक्षण दिखाई दे रहे हों अथवा न दे रहे हों।
10	जिन कर्मचारियों ने अब तक अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड नहीं किया है, उन्हें इस हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी सुरक्षा का आकलन करते रहें। कार्यालय आने से पहले उन्हें आरोग्य सेतु ऐप से अपनी स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और केवल तभी कार्यालय आना चाहिए जब ऐप सुरक्षित या लो-रिस्क प्रदर्शित कर रहा हो।
11	कार्यालय के किसी कर्मचारी के कोविड-19 बीमारी से ग्रस्त हो जाने पर कार्यालय प्रमुख को उस स्थिति से निपटने के लिए प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक के परामर्श से अपेक्षित उपकरणों/सुविधाओं की व्यवस्था करनी चाहिए।

सर्वसंबंधित कृपया उपर्युक्त महत्वपूर्ण निदेशों का पालन सुनिश्चित करें और इस महामारी के दुष्परिणामों से स्वयं को, अपने परिजनों को और अपने सहकर्मियों को बचाएं।



बार-बार धोते रहें, हम साबुन से हाथ। सजग रहेंगे जब हम हरदम, तभी बनेगी बात।



एक गृहणी की कलम से

श्रीमती राखी मंडल

न जाने क्यूँ आज मेरी आँखें वेवक्त ही छलक आई
देखा जो वो वेबस चेहरा एक निवाला भी न मुँह में डाल पाई ।
लॉकडाउन के डर से हम तो राशन इकट्ठा कर
बस पकवान बनाते रह गए
पर वे बेचारे मजबूर सड़कों पर,
एक-एक रोटी को तरस गए ।
सच कहूँ अब अब स्वाद नहीं आता पकवानों में भी,
जी नहीं करता इन्हें थाली में सजाकर दिखाने में भी
झकझोर गया अंदर से मुझे
दृश्य वो ट्रक से कुचले मजदूर का
पर यही सच्चाई है मेरे देश के निर्माता
इस गरीब और मजबूर की ।
गृहणी हूँ मैं क्या कर सकती हूँ
क्या इन मजदूरों का दुख मैं हर सकती हूँ ।
क्या करूँ, कैसे करूँ ये सोचकर मैं बहुत परेशान थी,
पर एक आसान सा उपाय सोचकर मैं बहुत हैरान थी
इस जगत में एक बहुत बड़े हिस्से पर राज है मेरा
अपने रसोई की रानी हूँ मैं इस पर पूरा अधिकार है मेरा ।
करोना से लड़ाई की इस जंग में, मैंने भी एक बीड़ा उठाया है
एक माह का राशन दो माह चलाऊँगी, ये कसम मैंने खाया है
अन्न का ये दाना बचाकर मैं अब उन तक पहुँचाऊँगी
जहाँ भी दिखेंगे वो मजबूर मुझे दो रोटी मैं भी उन्हें खिलाऊँगी
सिर्फ परिवार ही नहीं, ये देश भी मेरी जिम्मेदारी है
मैं भी करोना योद्धा बनूँगी, आखिर इस जंग में
मेरी भी तो हिस्सेदारी है ।

पत्नी- श्री एस. के. मंडल
लोको पायलट(गुड्स)/कोरबा

काव्य-कुसुम

कोरोना की त्रासदी



श्याम कुमार मौर्य

इस वैश्विक महामारी ने, चहुँओर कोहराम मचाया है ।
सशक्त और समृद्ध देशों को भी, धरातल पर लाया है ॥
प्राकृतिक है या मानजनित, अब तक समझ ना आया है ।
जन-जीवन और अर्थतंत्र पर, घोर संकट गहराया है
अपनी आजीविका की तलाश में, दूर नगरों में डेरा
जमाया है ।
अब वापस लौटने को हैं मजबूर, मन में इतना डर
समाया है ।
इस विभीषिका से मुक्त कराने, सरकारों ने भी कदम
उठाया है ।
त्वरित निदान की खातिर, लाकडाउन का ही रास्ता
सुझाया है ।
सरकारी प्रयासों ने मजबूरों को, उनके गंतव्य तक
पहुँचाया है ।
इन विषम परिस्थितियों में, प्रकृति ने भी अच्छा
सुअवसर पाया है ।
जन मानस को स्वच्छता, शुद्धता और निर्मलता का
आभास कराया है ।
इस वैश्विक महामारी ने लोगों को, एकजुटता का पाठ
पढ़ाया है ।
जन कल्याण और मानव सेवा धर्म का, मन में अलख
जगाया है ।

कार्यालय अधीक्षक
अभियांत्रिकी (सा.)
वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी कार्यालय/बिलासपुर



पी. आर. सहाय
मेल/एक्सप्रेस गार्ड
शहडोल

माँ के प्रति...

तन में वस्त्र नहीं तो क्या
मैं तो तेरे आँचल में था
भूख की चिंता नहीं थी मुझे
क्योंकि मैं तेरे सीने में था
डर मुझे लगता कैसे
मैं तो तेरी बाँहों में था
दुनियाँ की परवाह नहीं थी मुझे

क्योंकि

माँ मेरे पास जो थी
तेरी गोद में बैठने को ईश्वर
भी तरसते हैं
मैं तो तेरी गोद में सिमटा हुआ
सारी खुशियाँ अपनी मैं समेटा था
माँ तेरे लिए मैं क्या लिखूँ
हर ग्रंथ छोटे हो जाएँगे
माँ मैं इतना जानूँ कि

तेरे से दुनिया है

अगर तू नहीं तो दुनिया भी नहीं
और तेरा आँचल नहीं तो
स्वर्ग भी नहीं
तेरी वाणी नहीं तो अमृत नहीं
बस मैं वंदन करता हूँ
शत-शत नमन कर तुझे माँ
हमेशा दिल में बसाए रखता हूँ ।



इस वक्त

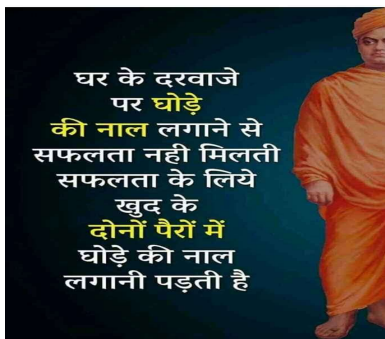
-राम कुमार श्रीवास

भड़क उठी है दावानल
चहुँओर भागम-भाग... इस वक्त
देहरी आगे लपट भयानक
निगल न जाए करोना आग...इस वक्त
नीति,नियम,संयम सुखकारी
उक्ति कहते सज्जन मान...इस वक्त
दुबके रहिए,छुपके रहिए
जान है तो जहान है... इस वक्त
रूखी-सूखी खाके रहिए
न मिले तरकारी,न मिले साग.इस वक्त
वक्त है नाजुक सहमा दिल
संपूर्ण सुरक्षित बसेरा दिल...इस वक्त
देहरी आग लपट भयानक
निगल न जाए करोना आग... इस वक्त
आयेगी बहार 'पलाश' की खातिर
निखरेगी धरती फूल पराग... उस वक्त

लोको पायलट मेल

कार्यालय - मुख्य कू कंट्रोलर(विद्युत)/बिलासपुर

स्वामी विवेकानंद ने कहा था....



करोना से...

-रवि कुमार दिवाकर

अरे ! कोरोना, तूने क्या किया ?
विश्व में तेरे दहशत का, शोर हो गया ।
चीनी कोरोना, तेरा जोर हो गया ।
तूने गरीबों को सताया, अमीरों को रुलाया ।
सभी लोगों में, डर क्यों समायो ?
तेरी वजह से लोग, डर-डर के जी रहे ।
कुछ को खाना नसीब हुआ तो कुछ को पानी ।
खाँसना - छींकना गुनाह हो गया, मुँह छुपाकर
चलते हैं ।
जीवन के संग्राम में, मुश्किल से शाम ढलते हैं ।
पिंजड़े तोता जैसा जीवन , जीने को मजबूर है,
कोरोनानाशक दवा, अभी पहुँच से दूर है ।
अर्थव्यवस्था की कमरतोड़, विश्व को डराया है
एक नया जीवन जीना , हमें सिखलाया है ।
डर-डर कर जीने को, क्यों मानव मजबूर है ?
रूपया-पैसा काम न आये, जिन्दा रहना दूर है ।
तेरे विकराल रूप का , कोई न पार पाया है ।
जिसने थोड़ी भूल की, वह मौत गले लगाया है ।
कोरोना योद्धा के सम्मान में , सब लोग मैदान में
उत्साह को बढ़ाना है , सबको गले लगाना है ।
आने वाले श्रमिकों को , क्वारंटाइन में रखना है ।
संक्रामक बीमारी न फैले, यह बात समझाना है
किसी तरह से कोरोना- मुक्त राष्ट्र बनाना है ।
सारी दुनिया घुटने टेके, महामारी छाई है ।
मगर तेरे तोड़ को, किसी ने न पाई है ।
घर में रहो , अभी बाहर नहीं आना है ।
आप साथ हो तो , एक दिन कोरोना को हराना है
इंडिया को जिताना है, समृद्ध भारत बनाना है ।

रेलपथ - अनुरक्षक - iii

सेक्शन -चांपा



करोना के योद्धा

-उपेन्द्र कुमार

धन्य हैं ये कोरोना के सिपाही
हम भारतवासी दिल से करते इनकी बात ।
खुद की कभी फिक्र नहीं,
अपने परिवार वालों से दूर ।
निरंतर कर्मरत हैं देश सेवा को आतुर
ये कर्मवीर नहीं देवदूत हैं
अदृश्य वायरस से लड़ते हैं ।
अपनी जान जोखिम में डाल
दूसरों की रक्षा करते हैं ॥
जीवन का यही मूलमंत्र है
यही हमारी संस्कृति है ।
मगर इनका क्या करें हम
जिनके हृदय में कलुषित वृत्ति है ।
उस दिन जब डाक्टरों पर
शरारती तत्वों ने किया आघात
ऐसा लगा कि खुद उन्होंने
अपने ही किस्मत पर किया प्रतिघात ।
इन योद्धाओं पर कुछ लोगों ने
पत्थर से भी किया प्रहार
उनकी इन हरकतों ने फिर
पूरे भारत को किया शर्मशार ।
आज इनके सम्मान में
नीला आसमां हो गया गुलाबी
पुष्प वर्षा ऐसी हुई कि
सबका हृदय आल्हादित हो गया
नभ-थल-जल तीनों सेना के द्वारा
फूलों की बरसात हुई ।
हुई द्विगुणित इनकी ऊर्जा
नये उत्साह का संचार हुआ ।
जीतेगा भारत जल्द ही जैसे
इस संदेश का प्रचार हुआ
कोरोना योद्धाओं के सम्मान का
यह पल बहुत खास है ।
हम होंगे कामयाब
सबके मन में एक ही विश्वास है
इसकी कड़ी जोड़ते जाएंगे
अनुशासित-संयमित रहकर ही
हम भारत को जिताएंगे ॥

प्लांट्समैन(यातायात सहायक - II)

कार्यालय- मुख्य स्टेशन प्रबंधक / जूनाडीह

प्रेरक कथा -

एक राजा वृद्ध हो गये । उन्होंने अपने तीन पुत्रों में से
कहा कि इससे अपने कमरे को पूरा भरना है ।
पहले पुत्र ने उस धन से अपना कमरा कचरे से भर दिया । दूसरे पुत्र ने उस धन से अपना कमरा घास फूस से भरवा दिया । तीसरे पुत्र ने अपने कमरे में उस
धनराशि से एक दीपक जलाया तो पूरा कमरा प्रकाश से भर गया । अगरबत्ती जलाई तो पूरा कमरा सुगंध से भर गया और उस कमरे में वादय-यन्त्र बजे तो कमरा
संगीत के स्वरों से भर गया ।

राजा ने तीसरे पुत्र को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया जिसने अपने कमरे को प्रकाश, सुगंध और संगीत से भर दिया था ।

शिक्षा - श्रेष्ठ मनुष्य वह है जो आयु रूपी मुद्रा का सदुपयोग करके अपने जीवन रूपी कक्ष को प्रेम, श्रद्धा और आनंद से भर देता है ।

उत्तराधिकारी

एक को उत्तराधिकारी चुनने हेतु परीक्षा लेने का विचार किया । तीनों पुत्रों को बुलाकर एक - एक मुद्रा दी और